मेसर्स.गणेश सातारकर प्रकाशित

मंगोलिया का संविधान

ISBN: 978-81-999966-6-3

Author: - MR.GANESH SHRIRANG SATARKAR

LL.M

Advocate, Bombay High Court

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book
Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

1. **BOOK TITLE : मंगोलिया का संविधान**
2. **LANGUAGE:** HINDHI
3. **ISBN: 978-81-999966-6-3**
4. **EDITION:** FIRST EDITION
5. **AUTHOR: Mr. GANESH SHRIRANG SATARKAR**
6. **PUBLISHER/ PUBLISHING AGENCY** :-
7. **M/s. INDIAN FARMER AGRO CO..** SHIVNERI, GAT NO 153, FARANDWADI, MANE MALA TAL PHALTAN, DIST - SATARA. MAHARSHTA, PIN 415523 INDIA
8. **CONTACT DETAILS:**
   MOBILE: +91 7066766607 **EMAIL:** GANESHNALE0@GMAIL.COM
9. **YEAR OF PUBLICATION:** 2026
10. **FORMAT:** SINGLE-COMPONENT RETAIL PRODUCT (BOOK)
11. **PRICE (IN INDIA):** ₹ 10 /- (**Printed and Published in India)**

COPYRIGHT & PUBLICATION STATEMENT

© 2026 **Mr. Ganesh Shrirang Satarkar (Nale)**
All rights reserved.
Disclaimer:
This publication is protected under applicable copyright laws. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, digitized, scanned, transmitted, copied, shared, sold, or circulated in any form or by any means—electronic, mechanical, photocopying, recording, audio-visual, digital, or online—without the prior written permission of the author and the publisher, except for brief quotations permitted strictly for academic, educational, research, or review purposes This book has been authored with the sole objective of presenting research-based, educational, and informative content in a clear, responsible, and accessible manner for students, scholars, and general readers. There is no intention whatsoever to offend, defame, misrepresent, or harm the sentiments, beliefs, dignity, or rights of any individual, community, group, culture, religion, or institution. All references are included purely for scholarly discussion. Every effort has been made to ensure accuracy; however, inadvertent errors may occur. Readers are requested to inform the publisher for correction in future editions. Unauthorized reproduction or piracy is punishable under law.

BIOGRAPHY : ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

Adv. Ganesh Shrirang Satarkar is an emerging legal scholar, researcher, and academic contributor working at the intersection of law, criminology, sociology, and digital governance. He is currently associated with the Central University of Haryana, where he is pursuing postgraduate research in sociology alongside his interdisciplinary work in legal studies.

He holds an LL.M. in Criminal Law, LL.B. (Special), and has qualified the UGC-NET in both Law and Criminology. His academic research focuses on criminal justice systems, cybercrime, artificial intelligence in law, media and crime, governance studies, and socio-legal research.

Adv.Ganesh has contributed to national and international academic platforms through research publications, conference papers, and interdisciplinary collaborations. His work explores emerging legal challenges in areas such as digital justice, cyber security, social justice, gender studies, and technological transformations in legal systems.

He is actively connected with several international academic and research platforms including ORCID, Web of Science, SSRN, Vidwan (INFLIBNET), Google Scholar, OSF, and Harvard Dataverse.

Author Bio Researcher Profiles :

1. ResearchIDs : rid131046
2. Orcid Id : https://orcid.org/my-orcid?orcid=0000-0001-8474-7432
3. ISNI : https://isni.org/isni/0000000529498911
4. Web of Science ResearcherIDOYE-6264-2025
5. Social science research network SSRN Author ID: 9293272
6. Vidwan Profile URL: https://vidwan.inflibnet.ac.in/profile/666713
7. Google Scholar : https://scholar.google.com/citations?hl=en&user=4MrvCEwAAAAJ
8. OSF ID : https://osf.io/cndj8/
9. harvard.edu : https://dataverse.harvard.edu/dataverse/GANESHSHRIRANGSATARKAR).
10 https://about.me/adv.ganeshsatarkar

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932

ADV. GANESH SHRIRANG SATARKAR

CERTIFICATE

OF WORLD RECORD

Proudly Presented To

Ganesh Shrirang Satarkar

In recognition of the outstanding achievement of becoming the First Indian to Translate and Publish the Constitutions of All 54 African Countries into Hindi as Separate ISBN-Registered Books, demonstrating exceptional dedication, scholarly excellence, and a significant contribution to legal literature and linguistic accessibility, thereby establishing a distinguished and historic record of academic accomplishment.

We officially announce the above-mentioned candidate as a globally certified **"Inspiration World Record Holder"**.

The certificate was issued on 27th February, 2026.

INSPIRATION IS WHERE PASSION BECOMES LEGACY

CERTIFIED

Application No. IWR/2026/UR0173
Certificate No. IWR/2026/WRH0081
Issued By: Chief Adjudicator

ISO CERTIFIED

VISHWAGURU ARPANAM 2026

VIA2025/SS-VA2025AZ760-2025-170/09102025

2 025100 900010

ISO 9001:2015 Registration No: QT-56622/0925
Micro, Small, and Medium Enterprises Registration Number: 11-0093948
Trademark Registered Under the Act of "TRADE MARKS ACT, 1999"

© www.inspirationworldrecords.org

मंगोलिया का संविधान

मंगोलिया का संविधान

1. देश का नाम

Mongolia

मंगोलिया (Mongolia)

---

2. संविधान का नाम

मंगोलिया का संविधान, 1992

(2001 तक संशोधित)

---

3. संविधान के अध्याय (Chapters)

क्रमांक	अध्याय का नाम	अनुच्छेद
1	मंगोलिया की संप्रभुता	अनुच्छेद 1-13
2	मानव अधिकार और स्वतंत्रताएँ	अनुच्छेद 14-19
3	मंगोलिया की राज्य व्यवस्था	अनुच्छेद 20-56
4	प्रशासनिक एवं क्षेत्रीय इकाइयाँ	अनुच्छेद 57-63
5	संवैधानिक न्यायालय (Tsets)	अनुच्छेद 64-67
6	संविधान संशोधन एवं परिवर्तन	अनुच्छेद 68-70

---

4. संविधान के अनुच्छेद (Articles)

अध्याय 1 – मंगोलिया की संप्रभुता

- अनुच्छेद 1 – स्वतंत्र एवं संप्रभु गणराज्य
- अनुच्छेद 2 – एकात्मक राज्य व्यवस्था
- अनुच्छेद 3 – जनता की सर्वोच्च सत्ता
- अनुच्छेद 4 – सीमा सुरक्षा
- अनुच्छेद 5 – आर्थिक व्यवस्था
- अनुच्छेद 6 – प्राकृतिक संसाधन
- अनुच्छेद 7 – सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विरासत
- अनुच्छेद 8 – आधिकारिक भाषा
- अनुच्छेद 9 – धर्म एवं राज्य
- अनुच्छेद 10 – अंतरराष्ट्रीय कानून
- अनुच्छेद 11 – राष्ट्रीय सुरक्षा
- अनुच्छेद 12 – राष्ट्रीय प्रतीक
- अनुच्छेद 13 – राजधानी

अध्याय 2 – मानव अधिकार और स्वतंत्रताएँ

- अनुच्छेद 14 – समानता
- अनुच्छेद 15 – नागरिकता
- अनुच्छेद 16 – मौलिक अधिकार
- अनुच्छेद 17 – नागरिक कर्तव्य
- अनुच्छेद 18 – विदेशी नागरिकों के अधिकार
- अनुच्छेद 19 – मानव अधिकारों की सुरक्षा

अध्याय 3 – राज्य व्यवस्था

संसद

- अनुच्छेद 20-29

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

राष्ट्रपति

- अनुच्छेद 30-37

सरकार (कैबिनेट)

- अनुच्छेद 38-46

न्यायपालिका

- अनुच्छेद 47-56

अध्याय 4 – प्रशासनिक इकाइयाँ

- अनुच्छेद 57-63

अध्याय 5 – संवैधानिक न्यायालय

- अनुच्छेद 64-67

अध्याय 6 – संविधान संशोधन

- अनुच्छेद 68-70

---

5. अध्यायों का संक्षिप्त विवरण

अध्याय 1 – मंगोलिया की संप्रभुता

इस अध्याय में मंगोलिया को स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और संप्रभु राष्ट्र घोषित किया गया है। इसमें राज्य की आर्थिक नीति, राष्ट्रीय भाषा, धर्म, प्राकृतिक संसाधनों और राष्ट्रीय प्रतीकों का वर्णन है।

अध्याय 2 – मानव अधिकार और स्वतंत्रताएँ

यह संविधान का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। इसमें नागरिकों के मौलिक अधिकार जैसे जीवन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता और संपत्ति का अधिकार दिया गया है।

अध्याय 3 – राज्य व्यवस्था

इसमें संसद, राष्ट्रपति, मंत्रिपरिषद और न्यायपालिका की शक्तियों एवं कार्यों का वर्णन किया गया है। मंगोलिया में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था स्थापित की गई है।

अध्याय 4 – प्रशासनिक एवं क्षेत्रीय इकाइयाँ

इस अध्याय में देश को विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों में विभाजित करने और स्थानीय शासन व्यवस्था का उल्लेख किया गया है।

अध्याय 5 – संवैधानिक न्यायालय

संवैधानिक न्यायालय संविधान की रक्षा करता है और यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी कानून संविधान के विरुद्ध न हो।

अध्याय 6 – संविधान संशोधन

इस अध्याय में संविधान में संशोधन की प्रक्रिया बताई गई है। संशोधन संसद द्वारा विशेष बहुमत से किया जाता है।

---

6. मंगोलिया के संविधान का विस्तृत विवरण (लगभग 5000 शब्द)

प्रस्तावना

मंगोलिया का संविधान 13 जनवरी 1992 को लागू किया गया। यह संविधान साम्यवादी शासन के पतन के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से बनाया गया था। संविधान की प्रस्तावना में मानव अधिकारों, स्वतंत्रता, न्याय और राष्ट्रीय एकता को सर्वोच्च महत्व दिया गया है।

मंगोलिया का संविधान आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। यह संविधान जनता की संप्रभुता, कानून के शासन और मानव गरिमा की रक्षा को मुख्य आधार मानता है।

मंगोलिया की राजनीतिक व्यवस्था

मंगोलिया एक **लोकतांत्रिक गणराज्य** है। यहाँ जनता सर्वोच्च शक्ति का स्रोत मानी जाती है। जनता प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों से शासन में भाग लेती है।

संविधान के अनुसार:

- सरकार जनता के प्रति उत्तरदायी है।
- संसद सर्वोच्च विधायी संस्था है।
- राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष होता है।
- न्यायपालिका स्वतंत्र है।

संसद (State Great Hural)

मंगोलिया की संसद को **स्टेट ग्रेट हुराल** कहा जाता है। यह एकसदनीय (Unicameral) संसद है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

संसद की मुख्य विशेषताएँ

- कुल 76 सदस्य
- कार्यकाल – 4 वर्ष
- प्रत्यक्ष चुनाव
- गुप्त मतदान

संसद के मुख्य कार्य:

1. कानून बनाना
2. बजट पारित करना
3. प्रधानमंत्री की नियुक्ति
4. अंतरराष्ट्रीय संधियों की स्वीकृति
5. युद्ध या आपातकाल की घोषणा

संसद लोकतांत्रिक शासन की आधारशिला है।

राष्ट्रपति

मंगोलिया का राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष होता है। वह राष्ट्रीय एकता का प्रतीक माना जाता है।

राष्ट्रपति की योग्यता

- न्यूनतम आयु – 45 वर्ष
- जन्म से मंगोलियाई नागरिक
- कम से कम 5 वर्ष देश में निवास

शक्तियाँ

- संसद द्वारा बनाए गए कानूनों पर वीटो
- प्रधानमंत्री के नाम का प्रस्ताव
- सेना का सर्वोच्च कमांडर

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

- क्षमादान देना
- विदेश नीति में प्रतिनिधित्व

राष्ट्रपति का कार्यकाल 4 वर्ष का होता है और वह केवल एक बार पुनः चुना जा सकता है।

प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद

प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है। वही देश के प्रशासन का संचालन करता है।

सरकार के कार्य

- कानून लागू करना
- आर्थिक नीतियाँ बनाना
- शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था
- राष्ट्रीय सुरक्षा
- पर्यावरण संरक्षण
- विदेश नीति लागू करना

मंत्रिपरिषद संसद के प्रति उत्तरदायी होती है।

न्यायपालिका

मंगोलिया में स्वतंत्र न्यायपालिका की व्यवस्था है। संविधान न्यायपालिका को कार्यपालिका और विधायिका से अलग रखता है।

न्यायालयों की संरचना

1. सर्वोच्च न्यायालय
2. प्रांतीय न्यायालय
3. जिला न्यायालय

4. विशेष न्यायालय

न्यायपालिका का उद्देश्य:

- कानून का पालन सुनिश्चित करना
- मानव अधिकारों की रक्षा
- निष्पक्ष न्याय देना

मानव अधिकार

मंगोलिया का संविधान मानव अधिकारों को अत्यधिक महत्व देता है।

प्रमुख अधिकार

1. जीवन का अधिकार

किसी व्यक्ति को कानून के बिना जीवन से वंचित नहीं किया जा सकता।

2. समानता का अधिकार

सभी नागरिक कानून के समक्ष समान हैं।

3. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

नागरिक अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

4. धार्मिक स्वतंत्रता

हर व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है।

5. शिक्षा का अधिकार

राज्य निःशुल्क सामान्य शिक्षा प्रदान करता है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

6. स्वास्थ्य का अधिकार

हर नागरिक को चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने का अधिकार है।

7. संपत्ति का अधिकार

नागरिक निजी संपत्ति रख सकते हैं।

8. मतदान का अधिकार

18 वर्ष से ऊपर के सभी नागरिक मतदान कर सकते हैं।

नागरिक कर्तव्य

संविधान केवल अधिकार ही नहीं देता बल्कि नागरिकों के कर्तव्य भी निर्धारित करता है।

प्रमुख कर्तव्य

- संविधान का पालन
- कर भुगतान
- देश की रक्षा
- पर्यावरण संरक्षण
- बच्चों का पालन-पोषण

आर्थिक व्यवस्था

मंगोलिया की अर्थव्यवस्था मिश्रित अर्थव्यवस्था है।

संविधान की आर्थिक विशेषताएँ

- निजी संपत्ति की मान्यता

- राज्य द्वारा आर्थिक नियंत्रण
- प्राकृतिक संसाधनों पर राज्य का अधिकार
- विदेशी निवेश की अनुमति

मंगोलिया पशुपालन और खनिज संसाधनों के लिए प्रसिद्ध है।

प्राकृतिक संसाधन

संविधान के अनुसार:

- भूमि, जल, वन एवं खनिज जनता की संपत्ति हैं।
- राज्य इनका संरक्षण करेगा।
- पर्यावरण संरक्षण सरकार का दायित्व है।

भाषा एवं संस्कृति

मंगोलियाई भाषा को आधिकारिक भाषा घोषित किया गया है।

संविधान:

- सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करता है।
- कला एवं विज्ञान को प्रोत्साहित करता है।
- बौद्धिक संपदा की सुरक्षा देता है।

धर्म और राज्य

मंगोलिया में धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था है।

राज्य:

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

- धर्म का सम्मान करता है।
- धार्मिक संस्थाएँ राजनीतिक गतिविधियों में भाग नहीं ले सकतीं।

विदेश नीति

मंगोलिया शांतिपूर्ण विदेश नीति का पालन करता है।

संविधान के अनुसार:

- अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान
- अंतरराष्ट्रीय संधियों का पालन
- शांति और सहयोग को बढ़ावा

राष्ट्रीय सुरक्षा

राज्य का प्रमुख कर्तव्य:

- देश की संप्रभुता की रक्षा
- सीमाओं की सुरक्षा
- सेना का संगठन

स्थानीय शासन

मंगोलिया को विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों में बाँटा गया है:

- प्रांत
- जिला
- उप-जिला

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

स्थानीय निकायों को स्वशासन की शक्ति दी गई है।

संवैधानिक न्यायालय (Tsets)

यह संविधान का रक्षक है।

मुख्य कार्य

- कानूनों की संवैधानिकता की जाँच
- संविधान की व्याख्या
- राष्ट्रपति एवं संसद के कार्यों की समीक्षा

संविधान संशोधन प्रक्रिया

संविधान संशोधन आसान नहीं है।

प्रक्रिया

- संसद में विशेष बहुमत आवश्यक
- राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखा जाता है

इससे संविधान की स्थिरता बनी रहती है।

मंगोलिया के संविधान की विशेषताएँ

1. लोकतांत्रिक स्वरूप

यह संविधान लोकतंत्र पर आधारित है।

2. मानव अधिकारों की सुरक्षा

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

मौलिक अधिकारों का व्यापक वर्णन।

3. शक्तियों का विभाजन

विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में संतुलन।

4. स्वतंत्र न्यायपालिका

न्यायपालिका को विशेष स्वतंत्रता।

5. धर्मनिरपेक्षता

राज्य और धर्म अलग-अलग।

6. पर्यावरण संरक्षण

प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा पर बल।

7. अंतरराष्ट्रीय सहयोग

अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान।

संविधान की आलोचनाएँ

कुछ विद्वानों के अनुसार:

- राजनीतिक अस्थिरता की समस्या
- भ्रष्टाचार
- आर्थिक असमानता
- संसदीय दलों का अत्यधिक प्रभाव

फिर भी यह संविधान मंगोलिया के लोकतंत्र की मजबूत नींव माना जाता है।

---

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

निष्कर्ष

Mongolia का संविधान 1992 में लागू हुआ और यह देश को साम्यवादी शासन से लोकतांत्रिक शासन की ओर ले जाने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज है। इसमें मानव अधिकार, लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता और कानून के शासन को सर्वोच्च महत्व दिया गया है। संविधान ने संसद, राष्ट्रपति, सरकार और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन स्थापित किया है।

मंगोलिया का संविधान आधुनिक लोकतांत्रिक संविधानों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह न केवल नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है बल्कि राज्य को उत्तरदायी और पारदर्शी शासन देने के लिए बाध्य भी करता है।

https://www.constituteproject.org/countries/Asia/Mongolia

M/s.Adv.Ganesh Shrirang Satarkar & Co.
Published By This Book

THE END

Email: ganeshnale0@gmail.com | adv.ganeshsatarkar@gmail.com
Mobile: +91 7066766607 | +91 9422422932